फुल कलियां आकाश विचों बरस रहे ने राम आ गए

धुन: मेरी झोंपड़ी दे भान अज़ खुल जायेंगे राम आएंगे

फुल कलियां आकाश विचों बरस रहे ने, राम आ गए ।
राम नाम दे जयकार पए गज़ रहे ने, राम आ गए ॥

सिया राम लखन बजरंग ने, बजरंग ने ।
सुग्रीव विभीषण संग ने - ओ संग ने ॥
वेख वेख पुष्पान सब नच्च रहे ने, राम आ गए,

राम भरत दे होए मिलाप ने, ओ मिलाप ने ।
मिटे अवध दे दुख संताप ने, संताप ने ॥
दिन बनवास वाले अज़ कट गए ने, राम आ गए,

फल मेवे मिठाई दियां डालियां, हो डालियां ।
हर पासे अज़ हो रहियां दीवालियाँ - ओ दीवालियाँ ॥
घर गलियां बज़ार सब सज़ रहे ने, राम आ गए,

सब लोक ने खुशियां मना रहे, ओ मना रहे ।
गीत स्वागत दे सब अज़ गा रहे, ओ गा रहे ॥
बाजे-गाजे 'मधुप' अज़ बज रहे ने, राम आ गए,

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36900/title/ful-kaliyan-aakash-vichon-baras-rahe-ne-raam-aa-gaye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |